पत्र सूचना शाखा
(मुख्यमंत्री सूचना परिसर)
सूचना एवं जनसम्पर्क विभाग, उ0प्र0

मुख्यमंत्री ने एम0एस0एम0ई0 सम्मेलन 2019 को सम्बोधित किया

प्रधानमंत्री ने वर्ष 2024 तक भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी बनाने का जो लक्ष्य निर्धारित किया है, उसमें सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं : मुख्यमंत्री

राज्य सरकार एम0एस0एम0ई0 सेक्टर को हर सम्भव प्रोत्साहन देगी

एम0एस0एम0ई0 सेक्टर उत्तर प्रदेश के चहुंमुखी विकास का इंजन साबित हो सकता है

एम0एस0एम0ई0 सेक्टर के उद्यमियों की समस्याओं का हल निकाला जाएगा

एम0एस0एम0ई0 सेक्टर अर्थव्यवस्था की रीढ़

'एक जनपद, एक उत्पाद' योजना एम0एस0एम0ई0 सेक्टर के लिए वरदान साबित हो सकती है

उत्तर प्रदेश भारत के ग्रोथ इंजन के रूप में उभर रहा है, जिसमें एम0एस0एम0ई0 सेक्टर की महत्वपूर्ण भूमिका है

डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर, एम0एस0एम0ई0 सेक्टर के लिए लाभकारी साबित हो सकता है

कार्यक्रम को केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री ने भी सम्बोधित किया

लखनऊ : 29 अगस्त, 2019

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जी ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी द्वारा वर्ष 2024 तक भारत को 5 ट्रिलियन डॉलर इकॉनमी बनाने का जो लक्ष्य निर्धारित किया है, उसमें सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं। राज्य सरकार एम0एस0एम0ई0 सेक्टर को हर सम्भव प्रोत्साहन देगी। एम0एस0एम0ई0 सेक्टर उत्तर प्रदेश के चहुंमुखी विकास का इंजन साबित हो सकता है। देश की समृद्धि में उत्तर प्रदेश महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकता है।

मुख्यमंत्री जी ने यह विचार आज यहां भारत सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्योग मंत्रालय, उत्तर प्रदेश सरकार के सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम विभाग तथा एसोचैम के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित 'एम0एस0एम0ई0 सम्मेलन 2019' को सम्बोधित करते हुए व्यक्त किये। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार एम0एस0एम0ई0 सेक्टर पर विशेष ध्यान दे रही है। इस सेक्टर को बढ़ावा देने के साथ–साथ इसकी समस्याओं के त्वरित निदान की दिशा में भी राज्य सरकार कार्य कर रही है। उन्होंने कहा कि शीघ्र ही इस सेक्टर के उद्यमियों की समस्याओं का हल निकाला जाएगा।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि एम0एस0एम0ई0 सेक्टर अर्थव्यवस्था की रीढ़ माना जाता है। ये उद्यम समावेशी विकास के इंजन हैं। कृषि क्षेत्र के बाद सबसे अधिक लोग इन्ही उद्यमों में रोजगार पाते हैं। इन उद्यमों में अपेक्षाकृत कम पूंजी की लागत पर रोजगार के अधिक अवसर पैदा होते हैं। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि इन उद्यमों के माध्यम से, ग्रामीण और पिछड़े इलाकों में रोजगार पैदा होते हैं। देश के सर्वाधिक एम0एस0एम0ई0 उद्यम उत्तर प्रदेश में हैं। सबसे अधिक जनसंख्या वाले राज्य, उत्तर प्रदेश में, हमारे डेमोग्राफिक डिविडेंड का सबसे अधिक उपयोग इन्हीं उद्यमों में हो सकेगा।

मुख्यमंत्री जी ने राज्य सरकार की 'एक जनपद, एक उत्पाद' योजना का उल्लेख करते हुए कहा कि यह योजना एम0एस0एम0ई0 सेक्टर के लिए वरदान साबित हो सकती है, क्योंकि प्रदेश के सभी 75 जनपदों में कोई न कोई विशिष्ट उत्पाद अवश्य मौजूद है। उन्होंने मुरादाबाद के पीतल, अलीगढ़ के हार्डवेयर इण्डस्ट्री, फिरोजाबाद के कांच और भदोही की कालीन का जिक्र करते हुए कहा कि आवश्यकता इस बात की है कि इन उत्पादों की ब्राण्डिंग और मार्केटिंग ठीक से की जाए। इस योजना में कम लागत से ज्यादा रोजगार के अवसर सृजित किये जा सकते हैं। 'एक जनपद, एक उत्पाद' योजना के तहत अब तक बड़े

पैमाने पर लोगों को ऋण वितरित किये गये हैं। लाभार्थियों को टूल किट भी प्रदान किये गये हैं।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि प्रदेश के विभिन्न जनपदों में परम्परागत उद्योग और क्लस्टर मौजूद हैं। आवश्यकता इन्हें प्रोत्साहित करने की है। एम0एस0एम0ई0 के तहत परम्परागत उत्पादों पर फोकस करने से सरकार पर कम बोझ आएगा और ज्यादा रोजगार के अवसर सृजित होंगे। उन्होंने एम0एस0एम0ई0 सेक्टर के तहत निवेश का जिक्र करते हुए कहा कि निवेश अगर रोजगारपरक नहीं है, तो लोगों का इससे जुड़ाव नहीं हो पाता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि उत्तर प्रदेश में स्थापित किये जा रहे डिफेंस इण्डस्ट्रियल कॉरिडोर, एम0एस0एम0ई0 सेक्टर के लिए लाभकारी साबित हो सकता है। इस कॉरिडोर के तहत 6 नोड्स चिन्हित किये गये हैं, जिनमें लगभग 20 हजार करोड़ रुपये का निवेश सम्भावित है। राज्य सरकार तेजी से इस कॉरिडोर की स्थापना के लिए लैण्ड बैंक तैयार कर रही है। उत्तर प्रदेश के एम0एस0एम0ई0 सेक्टर के उद्यमियों के लिए यह कॉरिडोर वरदान साबित हो सकता है।

मुख्यमंत्री जी ने कहा कि एम0एस0एम0ई0 सेक्टर के उद्यमियों की वित्तीय समस्याओं का समाधान किया जाएगा। उन्हें मुद्रा योजना, स्टैण्डअप योजना इत्यादि के तहत ऋण उपलब्ध कराया जाएगा। साथ ही, राज्य सरकार ने इस सेक्टर पर ध्यान देते हुए सिडबी के साथ अपना सहयोग बढ़ाया है।

कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए केन्द्रीय सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्यम राज्य मंत्री श्री प्रताप चन्द्र सारंगी ने कहा कि यह सेक्टर वित्तीय संकटों से जूझ रहा है, जिसमें बैंकिंग फाइनेंस की कमी मुख्य समस्या है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार इसका हल निकालने का प्रयास कर रही है। बैंकों से इस सेक्टर को

ऋण उपलब्ध कराने के सम्बन्ध में वार्ता चल रही है। उन्होंने कहा कि केन्द्र सरकार इस सेक्टर को पूरा प्रोत्साहन देगी।

कार्यक्रम को राज्य के एम0एस0एम0ई0 एवं निर्यात प्रोत्साहन मंत्री डॉ0 सिद्धार्थनाथ सिंह ने भी सम्बोधित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री जी को एक प्रतीक चिन्ह भी भेंट किया।

इससे पूर्व, मुख्यमंत्री जी ने कार्यक्रम का शुभारम्भ दीप प्रज्ज्वलित कर किया। उन्होंने इस अवसर पर 'एम0एस0एम0ई0 : द ग्रोथ इंजन ऑफ उत्तर प्रदेश इकॉनमी 2019' रिपोर्ट का विमोचन भी किया।

कार्यक्रम के दौरान प्रमुख सचिव एम0एस0एम0ई0 श्री नवनीत सहगल, एसोचैम के उपाध्यक्ष श्री विनीत अग्रवाल, एसोचैम के नॉर्थर्न रीजन डेवलेपमेंट काउंसिल के अध्यक्ष श्री ललित खेतान सहित बड़ी संख्या में एम0एस0एम0ई0 उद्यमी और गणमान्य नागरिक मौजूद थे।

————————

PN-CM-MSME Sammelan 2019-29 August, 2019